Applications for permits to export rice and Wheat

5130. SHRI P. UPENDRA: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether the Food Corporation of India has received a large number of applications for permits to export rice and wheat in pursuance of the recent Government decision to allow more exports in view of the comfortable stock position;

(b) whether there is great delay in processing the applications and releasing stocks from the FCI godowns causing inconvenience to exporters and leading to cancellation of export orders; and

(c) if so, what steps Government are taking to deal with the application promptly and expeditiously?

THE MINISTER OF FOOD (SHRI AJIT SINGH): (a) to (c) After the recent decision of Government authorising Food Corporation of India to export/sell for the purpose of export upto 25 lakh tonnes of wheat (within the export ceiling of 25 lakh tonnes) and upto 20 lakh tonnes of rice (fine and superfine), about 125 applications for purchase for the purpose of export of what and rice have been received by FCI till 30.4.95. A High Level Committee constituted under the Chairmanship of Chairman, FCI to consider all aspects of export of foodgrains including fixation of prices, has since fixed the prices of rice and prescribed the modalities to be followed in case of applications by the various parties from time to time.

गेहूं प्रापण केन्द्रों पर किसानों को धोखा दिया जाना

5131. श्री आस मोहम्मद :

श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला :

क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को विभिन्न गेहूं प्रापण केन्द्रों पर किसानों को धोखा देने के संबंध में अनेक शिकायतें प्राप्त हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई है ; और

(ग) सरकार द्वारा इसके लिए उत्तरदायी व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

खाद्य मंत्री (श्री अजित सिंह) : (क) चालू रबी विपणन मौसम 1995–96 के दौरान इस प्रकार की कोई शिकायत अभी तक प्राप्त नहीं हुई है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

चीनी के अतिरिक्त स्टाक का निपटान

5132. श्री राम जेठमलानी :

श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1995–96 में देश में चीनी पेराई मौसम के दौरान चीनी का उत्पादन घरेलू खपत के लिये चीनी की आवश्यकता की तुलना में अधिक होने की संभावना है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार देश में चीनी के अतिरिक्त स्टॉक का निर्यात करने और इसके द्वारा विदेशी मुद्रा कमाने पर विचार करेगी ;

(ग) तो क्या यह भी सच है कि देश में चीनी के उत्पादन की लागत विश्व के अन्य चीनी निर्यात करने वाले देशों की तुलना में अधिक है और इस प्रकार से देश को देश में ही इसकी बिक्री कीमत की तुलना में विदेश में भारतीय चीनी की बिक्री से वित्तीय घाटा उठाना पड़ता है ;

(घ) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं; और

(ङ) क्या यह सच नहीं है कि वर्ष 1992–93 के दौरान देश में उत्पादित चीनी की अतिरिक्त मात्रा का निर्यात करने के निर्णय की वजह से चीनी उद्योग को वित्तीय घाटा उठाना पड़ा था; यदि हां, तो चीनी की उत्पादन लागत कम करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

खाद्य मंत्री (श्री अजित सिंह): (क) और (ख) पैराई मौसम 1995–96 के दौरान चीनी के संभावित उत्पादन का अनुमान लगाना अभी उचित नहीं होगा।

(ग) से (ङ) निर्यात एजेन्सी अर्थात भारतीय चीनी व सामान्य आयात निर्यात निगम के अनुसार देश में चीनी के उत्पादन की लागत अन्य चीनी निर्यातक देशों से अधिक नहीं है। तथापि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चीनी के मूल्य भारत में ही नहीं अपितु अन्य निर्यातक देशों में भी सामान्यत: घरेलू बाजार के मूल्यों से कम होते हैं। इसलिए चीनी निर्यात में घाटा होता है।

चीनी की उत्पादन क्षमता को बढ़ाना

5133. **श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार देश में चीनी की उत्पादन क्षमता को और बढाने पर विचार कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो चीनी की वह कुल उत्पादन क्षमता क्या है जिसके लिए सरकार मार्च, 1995 के अंत में पहले ही लाइसेंस दे चुकी है ;

(ग) क्या चीनी की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए लाइसेंस देते समय सरकार ने देश में उपरोक्त क्षमता के उपयोग के लिए गन्ने की कुल आवश्यकता के संबंध में कोई मूल्यांकन किया था ;

(घ) यदि हां, तो गन्ने की अनुमानित आवश्यकता कितनी है और क्या चीनी के उत्पादन के लिए देश में गन्ने की अपेक्षित मात्रा उपलब्ध है; और

(ङ) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में गन्ने की वार्षिक औसत उपलब्ध लब्धता कितनी रही है ?

खाद्य मंत्री (श्री अजीत सिंह) : (क) और (ख) 31–3–95 तक चीनी उद्योग की लाइसेंसशुदा तथा संस्थापित क्षमता क्रमश: 206.6197 लाख टन तथा 119.6037 लाख टन थी। अत: 87.016 लाख टन क्षमता अभी कार्यान्वित होने के लिए शेष है जिसके कार्यान्वित होने पर देश में चीनी की उत्पादन क्षमता में और बढोतरी होगी।

(ग) और (घ) सामान्यत: आशय पत्र जारी होने के बाद नई चीनी फैक्ट्री को स्थापित करने के लिए लगभग 3–4 वर्ष लगते हैं। 8वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक प्राप्त की जाने वाली संस्थापित क्षमता का लक्ष्य चीनी उत्पादन क्षमता के लिए 155.66 लाख टन नियत किया गया है। 8वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक प्राप्त की जाने वाली संस्थापित क्षमता के लिए गन्ना उत्पादन 289.46 मिलियन टन अपेक्षित है।

(ङ) पिछले तीन चीनी वर्षों (अक्तूबर-सितंबर) के दौरान देश में औसत वार्षिक गन्ना उत्पादन 236.63 मिलियन टन था।

Stock of Sugar for PDS

5134. SHRI T. VENKATRAM REDDY:

SHRI G. PRATHAPA REDDY:

Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) stocks of sugar for Public Distribution System as on January, 1 1995;

(b) the estimated availability of levy sugar for the PDS during the year 1995;

(c) the estimated requirements of sugar for the Publice Distribution System for the year 1995;